

उत्तराखण्ड शासन  
गृह अनुभाग-01  
संख्या: 1169/XX-1/2016-1(36)2004  
देहरादून: दिनांक 03 सितम्बर, 2016

अधिसूचना

प्रकीर्ण

राज्यपाल, उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम, 2007 (अधिनियम सं० 1, सन 2008) की धारा 87 के अधीन शक्ति और इस निमित्त अन्य समस्त समर्थकारी शक्तियों का प्रयोग करके और इस निमित्त जारी किये गये समस्त विद्यमान नियमों का अधिक्रमण करके उत्तराखण्ड पुलिस के कुशल खिलाड़ियों की बिना पारी पदोन्नति एवं विनियमितीकरण हेतु विशेष अपील संख्या: 323 वर्ष 2014 के आदेश के अध्याधीन निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

उत्तराखण्ड पुलिस के कुशल खिलाड़ियों की बिना पारी पदोन्नति प्रक्रिया नियमावली-2016

भाग-एक सामान्य

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ 1(1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम 'उत्तराखण्ड पुलिस के कुशल खिलाड़ियों की बिना पारी पदोन्नति प्रक्रिया नियमावली, 2016' है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

- अध्यारोही प्रभाव 2 राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त बनाये गये या जारी किये गये किसी नियमावली आदेशों में किसी प्रतिकूल बात के होते हुये भी यह नियमावली प्रभावी होगी।
- परिभाषाएं 3 जब तक विषय अथवा सन्दर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो इस नियमावली में :-  
(क) 'कुशल खिलाड़ी' उत्तराखण्ड पुलिस विभाग के ऐसे पुरुष/महिला खिलाड़ियों से अभिप्रेत है जिसने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक संघ द्वारा आयोजित/मान्यता प्राप्त खेलों में और राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा आयोजित/मान्यताप्राप्त खेलों में भाग लिया हो;  
(ख) 'खेल' से ऐसा खेल अभिप्रेत है, जिसे ओलम्पिक/एशियन/कॉमनवेल्थ/ऑल इण्डिया पुलिस खेल संघ द्वारा मान्यता प्राप्त हो;

(ग) 'टीम' से खिलाड़ी के ऐसा समूह अभिप्रेत है, जिनकी संख्या राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति/एशोसियेशन द्वारा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय खेलों के लिए नियत की जाती है;

(घ) 'अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता' से ऐसी कोई प्रतियोगिता अभिप्रेत है, जो ऐसे संघ द्वारा आयोजित की गई हैं जो अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति/संघ द्वारा सीनियर/जूनियर अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए आयोजित किया जाता है;

(ङ) 'राष्ट्रीय प्रतियोगिता' से भारतीय ओलम्पिक संघ या इससे मान्यताप्राप्त खेल संघों द्वारा आयोजित सीनियर/जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता/राष्ट्रीय खेल अभिप्रेत हैं;

(च) 'अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिता' से ऐसी खेल सम्बन्धी घटनाएं/प्रतियोगिताएं अभिप्रेत हैं, जो अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड नई दिल्ली द्वारा आयोजित किये जाते हैं;

(छ) 'उत्तराखण्ड पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड' से ऐसी ईकाई अभिप्रेत है, जो उत्तराखण्ड पुलिस के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों को नियंत्रित और आयोजित करती है;

(ज) 'भारत का नागरिक' से संविधान के भाग-2 के अधीन किसी व्यक्ति के भारत के नागरिक होने अथवा समझा जाना अभिप्रेत है;

(झ) 'संविधान' से भारत का संविधान अभिप्रेत है;

(ञ) 'सरकार' से उत्तराखण्ड राज्य सरकार अभिप्रेत है;

(ट) 'राज्यपाल' से उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिप्रेत हैं;

(ठ) 'विभागाध्यक्ष' से पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड अभिप्रेत हैं;

(ड) 'नियुक्ति प्राधिकारी' से:-

(एक) पुलिस उपाधीक्षक अथवा समकक्ष पद के सम्बन्ध में राज्यपाल अभिप्रेत है;

(दो) निरीक्षक अथवा समकक्ष पद एवं उपनिरीक्षक अथवा समकक्ष पद के सम्बन्ध में पुलिस उपमहानिरीक्षक; और

(तीन) मुख्य आरक्षी अथवा समकक्ष पद के सम्बन्ध में यथास्थिति वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक / पुलिस अधीक्षक अथवा समकक्ष पद अभिप्रेत है;

(ढ़) 'चयन समिति' से कुशल खिलाड़ियों की बिना पारी पदोन्नति हेतु विशेष रूप से पुलिस महानिदेशक द्वारा गठित चयन समिति अभिप्रेत है। पुलिस उपाधीक्षक के संदर्भ में उक्त 'समिति' अर्हता धारक कुशल खिलाड़ी के लिये पदोन्नति हेतु शासन को संस्तुति प्रेषित करने वाली समिति होगी;

(ण) 'सेवा' से इस नियमावली के अधीन पदोन्नति के माध्यम से संवर्ग में किसी पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति की सेवा अभिप्रेत है;

(त) 'खेल उपलब्धि' से किसी खिलाड़ी द्वारा सृजित प्रतिमानों अथवा उसके द्वारा अर्जित पदक अभिप्रेत है;

(थ) 'मौलिक नियुक्ति' से ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है, जो कि तदर्थ नियुक्ति न हो और नियुक्ति संगत सेवा नियमावली के अनुसार चयन के परिणामस्वरूप की गयी हो, परन्तु जहां सेवा नियमावली न हो, वहां कार्यकारी आदेश के अंतर्गत की गयी हो।

(द) 'भर्ती का वर्ष' से किसी कैलेण्डर वर्ष की प्रथम जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह माह की अवधि अभिप्रेत है;

### भाग—दो संवर्ग

सेवा का संवर्ग 4 नियुक्ति के लिये वह पद, जिसके लिये कुशल खिलाड़ी की पदोन्नति की गई है, सेवा के संवर्ग में उसे उस पद के लिये नियुक्त किया गया समझा जायेगा।

### भाग—तीन कुशल खिलाड़ियों की बिना पारी पदोन्नति

पदोन्नति  
के लिये  
पात्रता

5(1) इस नियमावली के नियम 7 में विहित अहर्ताओं के अनुसार ऐसे कुशल खिलाड़ियों को, जो नियम 3 के उपनियम—'क' से 'च' के अनुसार उनके खेलों में उत्कृष्ट निष्पादन के आधार पर बिना पारी की पदोन्नति के आधार पर प्रत्येक सम्बन्धित संवर्ग/पद से सीधे सम्बन्धित सेवा नियमावली में विहित मुख्य आरक्षी अथवा समकक्ष पद, उपनिरीक्षक अथवा समकक्ष पद, निरीक्षक अथवा समकक्ष पद, तथा पुलिस उपाधीक्षक एवं समकक्ष पदों पर प्रोन्नत किये जा सकेंगे।

(2) इस नियमावली के अनुसार किसी पद पर बिना पारी पदोन्नति हेतु संगत सेवा नियमावली में पद हेतु विहित शैक्षिक अर्हता धारित करना अनिवार्य नहीं होगा।

(3) इस नियमावली के अधीन, अपेक्षित मानक पूरा करने पर बिना पारी की पदोन्नति एक अधिकार विषयक मामला नहीं होगा। यह पदोन्नति विभाग की आवश्यकताओं और प्रत्येक अलग कुशल खिलाड़ी की व्यक्तिगत/टीम स्पर्द्धा के प्रदर्शन/उपलब्धि पर आधारित होगा।

(4) किसी कुशल खिलाड़ी को दी गयी इस प्रकार बिना पारी की पदोन्नति उदाहरण के रूप में उद्धृत नहीं की जा सकेगी, और यह किसी अन्य खिलाड़ी को बिना पारी की पदोन्नति का कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करेगा।

☆

३

(5) उत्कृष्ट खेल निष्पादन के आधार पर बिना पारी की पदोन्नति प्रदान करते समय दण्ड, सत्यनिष्ठा, विभागीय/विधिक कार्यवाहियों के मामले संज्ञान में लिये जायेंगे और उनके मानकों को इस प्रकार अनुसंज्ञान में लिया जायेगा, जो विभाग में साधारणतया ऐसे रैंक में पदोन्नति के दौरान देखे जाते हैं।

पदोन्नति के लिए रिक्तियों का निर्धारण

6 इस नियमावली के अनुसार बिना पारी की पदोन्नति के लिए निर्धारित प्रक्रिया हेतु ऐसे व्यक्तियों जो इस अवसर का उपयोग करते हैं, की पदोन्नति अधिसंख्य पद सृजित करते हुए उक्त के सापेक्ष की जायेगी, जो पदधारक के उच्च सोपान के पद पर पदोन्नति के साथ ही समाप्त हो जायेगा।

कुशल खिलाड़ियों की पदोन्नति के लिए आहर्ताएं

7(1) मुख्य आरक्षी अथवा समकक्ष पद पर बिना पारी की पदोन्नति के लिए निम्नलिखित में से कोई एक मानदण्ड अपनाया जायेगा :-

(क) उत्तराखण्ड प्रदेश के राज्य टीम या भारतीय पुलिस टीम में चयनित होकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता सिनियर/जूनियर व्यक्तिगत अथवा टीम खेलों में स्वर्ण/रजत अथवा कांस्य पदक प्राप्त किया हो अथवा भारतीय टीम सिनियर/जूनियर में चयनित होकर भारतीय खेल संघ द्वारा चयनित टीम के सदस्य के रूप में किसी भी भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा मान्यता प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया हो।

(ख) अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर व्यक्तिगत खेलों में 01 स्वर्ण, अथवा 02 रजत, अथवा 01 रजत और 02 कांस्य, अथवा 03 कांस्य पदक प्राप्त किया हो; परन्तु उक्त पदक एक ही वर्ष में या क्रमिक रूप से 03 वर्षों में अर्जित किये गये हो सकते हैं।

(ग) अखिल भारतीय पुलिस खेल कूद प्रतियोगिताओं में भाग लेकर टीम खेलों में 01 स्वर्ण, अथवा 02 रजत, अथवा 01 रजत और 02 कांस्य, अथवा 03 कांस्य पदक प्राप्त किया हो; परन्तु उक्त पदक एक ही वर्ष में या क्रमिक रूप से 03 वर्षों में अर्जित किये गये हो सकते हैं।

(2) उपनिरीक्षक अथवा समकक्ष पद के लिए निम्नलिखित में से किसी एक मापदण्ड को अपनाया जायेगा:-

(क) भारतीय टीम में चयनित होकर भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा मान्यता प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में (टीम/व्यक्तिगत खेलों में) भाग लेकर स्वर्ण या रजत या कांस्य पदक प्राप्त किया हो।





(ख) उत्तराखण्ड राज्य टीम या पुलिस टीम में चयनित होकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता/राष्ट्रीय खेलों में (टीम/व्यक्तिगत स्पर्धा में) 02 पदक जिनमें 01 स्वर्ण/रजत पदक हो, अथवा 03 कांस्य पदक अर्जित किया हो; परन्तु उक्त पदक एक ही वर्ष में या कमिक रूप से 03 वर्षों में अर्जित किये गये हो सकते हैं।

(ग) भारतीय टीम में चयनित होकर ओलम्पिक खेलों में टीम/व्यक्तिगत स्पर्धा में सम्मिलित हुआ हो।

**(3) निरीक्षक अथवा समकक्ष पद के लिए निम्नलिखित में से किसी एक मापदण्ड को अपनाया जायेगा:-**

(क) वह खेलों में देश का उच्चतम उत्कृष्ट पुरस्कार (अर्जुन पुरस्कार) अर्जित किया हो/की हो।

(ख) भारतीय टीम में चयनित होकर राष्ट्रमण्डलीय, एशियाई चैम्पियनशिप में भाग लेकर (टीम/व्यक्तिगत स्पर्धा में) स्वर्ण, अथवा रजत पदक, अथवा कांस्य पदक, अथवा सैफ़ खेलों में 02 स्वर्ण पदक अर्जित किये हों; परन्तु उक्त पदक एक ही वर्ष में या कमिक रूप से 03 वर्षों में अर्जित किये गये हो सकते हैं।

(ग) भारतीय टीम में चयनित होकर ओलम्पिक खेलों में भाग लेकर टीम/व्यक्तिगत स्पर्धा में आठवां तक स्थान प्राप्त किया हो।

**(4) पुलिस उपाधीक्षक अथवा समकक्ष पद पर पदोन्नति हेतु मानदण्ड:-**

निम्नलिखित में से कोई भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की जायेगी:-

(क) वह देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार-राजीव गाँधी खेल रत्न से सम्मानित किया गया हो।

(ख) भारतीय टीम में चयनित होकर टीम/व्यक्तिगत स्पर्धा में विश्व चैम्पियनशिप/ओलम्पिक खेलों में भाग लेकर स्वर्ण अथवा रजत अथवा कांस्य पदक प्राप्त किया हो।

8 कुशल खिलाड़ियों के लिए बिना पारी की पदोन्नति के समस्त मामलों का परीक्षण इस निमित्त पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा। बिना पारी की पदोन्नतियां प्रदान करने के लिए ऐसी चयन समिति की बैठक का आयोजन वर्ष में दो बार फरवरी और अगस्त माह में किया जायेगा, जो फरवरी और अगस्त माह की समाप्ति तक उनकी संस्तुतियां पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड को प्रस्तुत करेगी। बिना पारी पदोन्नति हेतु समिति

12

9

द्वारा कुशल खिलाडी के रूप में कार्मिक की विगत 03 वर्षों की उपलब्धियों को ही संज्ञान में लिया जायेगा।

9 बिना पारी पदोन्नति हेतु चयन समितियों का गठन निम्नवत किया जायेगा :-

(क) पुलिस उपाधीक्षक अथवा समकक्ष पद हेतु (संस्तुतियाँ शासन को प्रेषित करने हेतु समिति):-

- |  |             |
|--|-------------|
| (1) पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड -  | अध्यक्ष।    |
| (2) सचिव, उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड-   | सदस्य सचिव। |
| (3) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित अनु0जाति/जनजाति का एक अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो- | सदस्य।      |
| (4) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित पिछड़े वर्ग का एक अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो      | सदस्य।      |
| (5) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित अल्पसंख्यक वर्ग का एक अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो  | सदस्य।      |

(ख) निरीक्षक अथवा समकक्ष पद/उप निरीक्षक अथवा समकक्ष पद पर पदोन्नति हेतु :-

- |  |             |
|--|-------------|
| (1) सचिव, उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड (अपर पुलिस महानिदेशक रैंक के होने पर)/अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन | अध्यक्ष।    |
| (2) पुलिस उप महानिरीक्षक कार्मिक   | सदस्य।      |
| (3) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित अनु0जाति/जनजाति का एक अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो              | सदस्य।      |
| (4) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित पिछड़े वर्ग का एक अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो                  | सदस्य।      |
| (5) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित अल्पसंख्यक वर्ग का एक अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो              | सदस्य।      |
| (6) पुलिस स्पोर्ट्स अधिकारी-   | सचिव/सदस्य। |

(ग) मुख्य आरक्षी अथवा समकक्ष पद पर पदोन्नति हेतु :-

- |   |          |
|---|----------|
| (1) सचिव, उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड -   | अध्यक्ष। |
| (2) पुलिस अधीक्षक कार्मिक-  | सदस्य।   |
| (3) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित अनु0जाति/जनजाति का एक अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो | सदस्य।   |
| (4) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित पिछड़े वर्ग का एक  |          |

अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो सदस्य।

(5) पुलिस महानिदेशक द्वारा नामित अल्प संख्यक वर्ग का एक अधिकारी, जो अपर पुलिस अधीक्षक से अन्यून स्तर का हो सदस्य।

(6) पुलिस स्पोर्ट्स अधिकारी— सचिव/सदस्य।

पदोन्नति की प्रक्रिया 10(1) किसी आसीन कुशल खिलाड़ी जो नियम 7 के अधीन माप-दण्ड को पूरा करता हो और जो नियम 8 के अधीन चयन समिति द्वारा पदोन्नति के लिए संस्तुत किया गया हो, के लिए सचिव, उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, कुशल खिलाड़ियों की संपूर्ण खेल क्रिया-कलापों/उपलब्धियों सहित विद्यमान रैंक से नियम-7 में वर्णित यथाउपलब्धि धारित करने पर उस उच्चतर रैंक में सीधे बिना पारी के पदोन्नति का प्रस्ताव बोर्ड को अग्रसारित करेगा। बोर्ड प्रस्ताव यथाप्रक्रिया सम्बन्धित पद के नियुक्ति प्राधिकारी को प्रेषित करेगा।

(2) बोर्ड के प्रस्ताव के आधार पर विभागाध्यक्ष का स्पष्ट अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात अराजपत्रित कर्मचारियों की पदोन्नति/नियुक्ति, सक्षम नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियम-6 के अधीन उपलब्ध अधिसंख्य पद के सापेक्ष की जायेगी।

(3) पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नति हेतु चयन समिति की संस्तुति के आधार पर बोर्ड द्वारा पुलिस महानिदेशक के अनुमोदनोपरान्त शासन को अधियाचन प्रस्ताव प्रेषित किया जायेगा जिसके कम में शासन द्वारा यथा प्रक्रिया उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के माध्यम से पदोन्नति की कार्यवाही की जायेगी।

(4) इस नियमावली के अधीन की गई समस्त पदोन्नतियां पदभार ग्रहण करने के दिनांक से लागू होगी।

11 एक बार बिना पारी की पदोन्नति होने के बाद कुशल खिलाड़ी को अगली बिना पारी की पदोन्नति उसकी प्रथम पदोन्नति के बाद की खेल उपलब्धियों के आधार पर की जा सकेगी किन्तु इनके मध्य न्यूनतम 02 वर्ष का अन्तराल रहेगा।

12(1) कुशल खिलाड़ी के रूप में कार्मिक की उपर्युक्त विहित नियमों के आधार पर की गयी पदोन्नति के पश्चातवर्ती कमिक 02 वर्षों तक यदि उक्त पदोन्नत कार्मिक का कुशल खिलाड़ी के रूप में प्रदर्शन प्रतियोगिता विशेष, जिसमें उपलब्धि के आधार पर वह पदोन्नत हुआ है, के क्वालीफाइंग स्तर तक की योग्यता नहीं बनाये रखता है तो उसे नियम आठ के अधीन गठित चयन समिति द्वारा सम्यक् रूप से विचार/परीक्षणोपरान्त पदावनत करने की संस्तुति सम्बन्धित नियोक्ता प्राधिकारी से की जायेगी और नियोक्ता प्राधिकारी द्वारा 'समिति' की उक्त संस्तुति के अनुसार सम्बन्धित कर्मिक को पदावनत करने के सम्बन्ध में सकारण आदेश निर्गत किया जायेगा।

7

7

(2) उप नियम (1) के अधीन, पदोन्नति के उपरान्त कुशल खिलाड़ी के रूप में पदोन्नत कार्मिक को खेल विशेष में प्रतियोगिता (जिसमें प्रदर्शन के आधार पर वह पदोन्नत हुआ था), के क्वालीफाइंग स्तर के प्रदर्शन क्रमिक दो वर्षों तक सचिव-उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा निर्धारित समिति के समक्ष करना होगा जिसकी रिपोर्ट पुलिस स्पोर्ट्स अधिकारी उपनियम (1) में वर्णित चयन समिति के अध्यक्ष को प्रेषित करेगा। प्रदर्शन का समय पुलिस स्पोर्ट अधिकारी द्वारा निर्धारित किया जायेगा एवं तदनुसार सम्बन्धित अधिकारी/कार्मिक को संसूचित भी किया जायेगा।

(3) उप नियम (1) के अधीन, यदि कुशल खिलाड़ी के रूप में पदोन्नत कार्मिक द्वारा अग्रेत्तर क्रमिक दो वर्षों तक अपेक्षित स्तर का प्रदर्शन पुलिस स्पोर्ट्स अधिकारी के समक्ष नहीं कर पाता है:-

(क) यदि वह बीमार/दुर्घटनाग्रस्त हो गया हो, वह शारीरिक रूप से दुर्बल हो गया हो, जिससे उसका खेल प्रदर्शन प्रभावित होना अवश्यम्भावी हो (इस सम्बन्ध में वह पुलिस स्पोर्ट्स अधिकारी को राज्य मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा)

(ख) यदि उसे विभागीय कार्यों/उत्तर दायित्वों का निर्वहन करने के कारण खेल का स्तर बनाये रखने हेतु अपेक्षित समय न मिल पाया हो (जिसके लिए सम्बन्धित आसन्न वरिष्ठ अधिकारी का इस सम्बन्ध में दिया गया प्रमाण-पत्र उक्त कार्मिक द्वारा नियुक्ति प्राधिकारी को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा) तथा उक्त खिलाड़ी/खिलाड़ियों द्वारा समय-समय पर अपने नियंत्रक अधिकारी को लिखित रूप में उचित माध्यम से अभ्यास हेतु यथोचित समय प्रदान करने के लिए सूचित एवं निवेदन भी किया गया हों (जिसका पृष्ठांकन पुलिस स्पोर्ट्स अधिकारी को भी अनिवार्य रूप से किया जाये);

ऐसे कार्मिक को पदावनत नहीं किया जायेगा।

(4) आसन्न अधिकारी द्वारा 'कुशल खिलाड़ी' के रूप में पदोन्नत कार्मिक को खेल विशेष जिसमें प्रदर्शन कर वह पदोन्नत हुआ है अग्रेतर प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर बनाये रखने के लिए समिति के समक्ष प्रदर्शन करने से पूर्व तीन माह का समय दिया जायेगा एवं उक्त हेतु चिन्हित/सूचित तैयारी स्थल पर तैनाती/सम्बद्धता करने की भी समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

भाग - चार - बिना पारी की पदोन्नति, खिलाड़ियों का प्रशिक्षण और उनकी ज्येष्ठता



13(1) कुशल खिलाड़ियों को बिना पारी की पदोन्नति प्रदान किये जाने पर उन्हें उस रैंक, जिस पर उनकी पदोन्नति की गयी हो, के लिए विहित अनिवार्य मौलिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करना होगा।

(2) इस प्रशिक्षण के दौरान ऐसे कुशल खिलाड़ियों को अखिल भारतीय पुलिस खेल/राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने की छूट प्राप्त होगी। ऐसे मामले में जिसे अलग से अपेक्षित प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूर्ण करना होगा।

(3) सामान्यतः अगले उच्चतर रैंक पर पदोन्नति के लिए कोई खिलाड़ी केवल तभी पात्र होगा, जब वह उस रैंक के लिए विहित निर्धारित मौलिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया हो और वह ऐसी पदोन्नति के लिए समस्त अर्हताओं को भी पूर्ण करता हो।

परिवीक्षा

14 इस नियमावली के अधीन पदोन्नत सभी कुशल खिलाड़ी सम्बन्धित सेवा नियमावली के उपबन्धों के अनुसार परिवीक्षा पर रखे जायेंगे।

स्थायीकरण

15 कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति अपनी नियुक्ति पर परिवीक्षा अवधि अथवा बढ़ाई गयी परिवीक्षा अवधि की समाप्ति पर स्थाई कर दिया जायेगा, यदि—

(क) उसने सफलतापूर्वक विहित प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया है,

(ख) उसका कार्य और आचरण अति उत्तम पाया गया है, और

(ग) उसकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित कर दी गयी हो।

ज्येष्ठता

16 बिना पारी की पदोन्नति के आधार पर नियुक्त व्यक्तियों को उस संवर्ग में मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्तियों के नीचे रखा जायेगा।

#### भाग—पॉच—वेतन आदि

वेतन

17. विभाग में मौलिक पद/सेवा के प्रचलित वेतन संरचना के अनुसार कुशल खिलाड़ियों को वही वेतन और भत्ते अनुमन्य होंगे जिसके सापेक्ष उसकी पदोन्नति के फलस्वरूप तैनाती की गयी है।

#### भाग—छ: — अन्य उपबन्ध

अन्य प्रकीर्ण  
उपबन्ध

18(1) ऐसी विषयवस्तु, जो इस नियमावली या अन्य सुसंगत आदेशों द्वारा सुस्पष्ट रूप से आच्छादित न हो, ऐसी नियमावली, उपबन्ध और आदेशों द्वारा नियंत्रित होगी जो सामान्यतः राज्य के अन्य सेवारत कर्मचारियों के लिए उनके संचालन हेतु लागू हो।

(2) इस नियमावली में किये गये उपबन्धों के विपरीत सरकारी आदेश के समस्त विद्यमान उपबन्ध इस नियमावली के प्रारम्भ होने के दिनांक से अस्तित्वहीन हो जायेंगे।

(3) समय-समय पर निर्गत सरकारी आदेशों के अनुपालन में ऐसे व्यक्तियों, जो अपनी खेल उपलब्धियों के आधार पर पदोन्नति प्राप्त किये हों, को पदोन्नति के दिनांक से उनके संवर्ग में पदोन्नत किया हुआ समझा जायेगा।

(4) इस नियमावली में किसी बात का प्रभाव अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और समय-समय पर इस सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों के अनुसार अन्य विशेष श्रेणी के व्यक्तियों के अभ्यर्थियों के लिए उपबन्धित किये जाने वाले अपेक्षित आरक्षण और छूट पर नहीं पड़ेगी।

सेवा  
शर्तों में  
शिथिलता

19 जहां राज्य सरकार का यह समाधान हो जाता है कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तों से सम्बन्धित किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में अनुचित कठिनाई उत्पन्न होती है तो वह उक्त मामलों में लागू नियमों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुये भी आदेश द्वारा, उस नियम की अपेक्षाओं में अभिमुक्ति या शिथिलता इस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अध्वधीन प्रदान कर सकती है जैसा कि वह न्यायसंगत और साम्यपूर्ण रिति से मामले को व्यवहृत करने के लिए आवश्यक समझे, परन्तु जहां कोई नियम उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के परामर्श से बनाया गया हो वहां उक्त निकाय से नियम की अपेक्षाओं में अभिमुक्ति या शिथिलता प्रदान करने के पूर्व परामर्श लिया जायेगा।

विस्तार/  
प्रयोज्यता

20 इस नियमावली के अधीन कृत्य किसी पदोन्नति को सुसंगत सेवा नियमावलियों के अधीन किया गया समझा जायेगा।

(डा. उमाकान्त पंवार)  
प्रमुख सचिव

#### संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यकत कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. सचिव, उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्ट्स कण्ट्रोल बोर्ड।
3. पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस उपमहानिरीक्षक(कार्मिक), पुलिस मुख्यालय उत्तराखण्ड देहरादून।
4. कार्मिक अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
5. विधायी विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
6. समस्त पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तराखण्ड।
7. निदेशक, एन.आई.सी., देहरादून, सचिवालय परिसर को इस अनुरोध के साथ कि कृपया उक्त को उत्तराखण्ड शासन की वेबसाईट पर यथा स्थान अपलोड कराने का कष्ट करें।
8. अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, लीथोप्रेस, रुड़की को इस आशय से कि कृपया नियमावली की 100 प्रतियां मुद्रित कराकर शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

क्रमशः—

9. नियमावली प्रकोष्ठ।
10. गार्ड फाईल।

A. Divya

अज्ञा से  
3.9.2016  
(विनोद शर्मा)  
सचिव